



पर्यावरण की समस्याओं के निराकरण पर सभी को ध्यान देना होगा

► राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में आज विश्व पृथ्वी दिवस-2022, हमारे ग्रह में निवेश करें विषय पर मनाया गया।

श्रीवृत्त

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में आज विश्व पृथ्वी दिवस-2022, हमारे ग्रह में निवेश करें विषय पर मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने पर्यावरण संरक्षण हेतु जोरदार प्रयास करने और इसके बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया। हमें पर्यावरण की रक्षा करने की सख्त जरूरत है। इस विशेष दिन पर, हमें बढ़ती पर्यावरणीय समस्याओं के निवारण पर जोर देना चाहिए, जिसमें अधिक जनसंख्या, जैव विविधता का

नुकसान, ओजोन परत का क्षरण इत्यादि शामिल हैं, एवं जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण बढ़ रहा है, उन्होंने कहा यह दिन भारतीय शर्करा उद्योग के संदर्भ में भी बहुत महत्वपूर्ण है जो देश का दूसरा सबसे बड़ा कृषि आधारित उद्योग है।

कंप्रेस बायोगैस बनाकर ग्रीन हाउस गैस का उत्पादन कम करें

शर्करा इंजीनियरिंग के सहायक आचार्य अनूप कनौजिया ने कहा कि शर्करा उद्योग बिजली, इथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस के रूप में जैव ऊर्जा प्रदान करके कार्बन और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में हमारी मदद कर सकता है। अब डिस्टिलरीज भी फर्मेंटरी से कार्बन डाई-ऑक्साइड को वायुमंडल



में छोड़ने के बजाय शुष्क बर्फ के रूप में उपयोग करने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डिस्टिलरी से शुष्क तरल निर्वहन (जीरो लिक्विड डिस्चार्ज) सुनिश्चित करते हुए, प्रभावी ढोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए, डिस्टिलरी बॉयलरों से प्राप्त राख को पोटाश समृद्ध उर्वरक के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। शर्करा प्रौद्योगिकी के सहायक आचार्य अशोक गर्ग ने

बताया कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को अधिक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया में बदलने का कार्य भी लिया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही चीनी की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। इस अवसर पर संस्थान परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया जिसमें संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हमें पर्यावरण की रक्षा करने की सख्त जरूरत है

कानपुर (नगर छाया समाचार)।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में आज विश्व पृथ्वी दिवस- 2022, हमारे ग्रह में निवेश करें विषय पर मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने पर्यावरण संरक्षण हेतु जोरदार प्रयास करने और इसके बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया। हमें पर्यावरण की रक्षा करने की सख्त जरूरत है। इस विशेष दिन पर, हमें बढ़ती पर्यावरणीय समस्याओं के निवारण पर जोर देना चाहिए, जिसमें अधिक जनसंख्या, जैव विविधता का नुकसान, ओजोन परत का क्षरण इत्यादि शामिल हैं, एवं जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण बढ़ रहा है, उन्होंने कहा।

यह दिन भारतीय शर्करा उद्योग के संदर्भ में भी बहुत महत्वपूर्ण है जो देश का दूसरा सबसे बड़ा कृषि आधारित उद्योग है। शर्करा इंजीनियरिंग के सहायक आचार्य श्री अनूप कनौजिया ने कहा कि शर्करा उद्योग बिजली, इथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस के रूप में जैव ऊर्जा प्रदान करके कार्बन और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में हमारी मदद कर सकता है। अब डिस्टिलरीज भी फर्मेंटरी से कार्बन डाई-ऑक्साइड को वायुमंडल में छोड़ने के बजाय शुष्क बर्फ के रूप में उपयोग करने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डिस्टिलरी से शुष्क तरल निर्वहन सुनिश्चित करते हुए, प्रभावी ढोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए,



डिस्टिलरी बॉयलरों से प्राप्त राख को पोटाश समृद्ध उर्वरक के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है।

शर्करा प्रौद्योगिकी के सहायक आचार्य श्री अशोक गर्ग ने बताया कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को अधिक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया में बदलने का कार्य भी लिया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही चीनी की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

इस अवसर पर संस्थान परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया जिसमें संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चीनी उत्पादन में पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया को बढ़ावा दे रही एनएसआई

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने रखे विचार

CMYK

कानपुर, 22 अप्रैल। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आयोजित विश्व प्रथ्वी दिवस-2022, हमारे ग्रह में निवेश करें विषय पर हुई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जोरदार प्रयास करने और इसके बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया। हमें पर्यावरण की रक्षा करने की सख्त जरूरत है। बढ़ती पर्यावरण समस्याओं का निवारण पर जोर देना चाहिये, जिसमें अधिक जनसंख्या, जैव विविधता का नुकसान, ओजोन परत क्षरण इत्यादि शामिल है एवं जिनके परिणाम



पौधरोपण करते एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन व अन्य।

स्वरूप प्रदूषण बढ़ रहा है। सह. आचार्य अनूप कनौजिया ने कहा कि शर्करा उद्योग बिजली, इथेनल और कम्प्रेस्ड बायोगैस के रूप में जैव ऊर्जा प्रदान

अधिक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया में बदलने का कार्य भी लिया है जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ चीनी की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

करके कार्बन और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में हमारी मदद कर सकता है। अब डिस्टिलरीय भी फार्मेन्टरी से कार्बन डाई-आक्साइड को वायुमण्डल में छोड़ने के बजाय शुष्क बर्फ के रूप में उपयोग करने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जीरो से शून्य निर्वहन सुनिश्चित करते हुए प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए, डिस्टिलरी से प्राप्त राख को पोटाश समृद्ध उर्वरक के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। सह. आचार्य अशोक गर्ग ने बताया कि एनएसआई ने चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को

+

कानपुर (एसएनबी)। विश्व पृथ्वी दिवस पर शुक्रवार को सीएसजेएमयू सहित विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण से संबद्ध विभिन्न मुद्दों पर चर्चा संग अपेक्षित सुधार न होने को लेकर चिंता जताई गई। विभिन्न कॉलेजों की राष्ट्रीय सेवा योजना व एनसीसी इकाइयों ने भी इस अवसर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज में पृथ्वी का संरक्षण : वर्तमान वन एवं पर्यावरणीय विधियाँ विषयक गोष्ठी आयोजित की गई।

विवि कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक व डॉ.वंदना पाठक ने भी इस मौके पर पौधरोपण कर पृथ्वी के संरक्षण व उसे हरा-भरा बनाने का संदेश दिया। प्रभागीय वन अधिकारी, कानपुर नगर अरविंद कुमार यादव मुख्य अतिथि तथा व क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी अनिल माधुर वतीर विशिष्ट अतिथि गोष्ठी में शामिल हुए। विद्यार्थियों द्वारा विवि के मुख्य द्वार से लीगल स्टडीज विभाग तक जागरूकता रैली निकाली। रैली को डॉ.प्रवीन कटियार व विधि विभाग निदेशक डॉ. शशिकांत त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रबाना किया। कार्यक्रम में डॉ.राहुल तिवारी, डॉ.प्रमोद कुमार, डॉ.स्मिता श्रीवास्तव व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सीएसजेएमयू में एनसीसी की 17वीं



विश्व पृथ्वी दिवस पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पौधरोपण करते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

गर्ल्स यूपी कटालियन एवं हेल्थ साइंसेस स्कूल ने भी 'सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं विश्व पृथ्वी दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया।

सीएसजेएमयू सहित विभिन्न शिक्षा संस्थानों में 'विश्व पृथ्वी दिवस' पर आयोजित किये गये जागरूकता कार्यक्रम

प्रकाश ने सभी को पृथ्वी के महत्व को समझाया। एसीपी दिनेश शुक्ला व यातायात प्रशिक्षक शिव सिंह चोखर ने यातायात नियमों की जानकारी दी। कटालियन की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक कर पृथ्वी संरक्षण का संदेश दिया। यहां अर्पण कटियार, डॉ.दिग्विजय शर्मा, डॉ.मुनीष रस्तोगी, डॉ.वर्णा प्रसाद,



विश्व पृथ्वी दिवस पर इय्या में पौधे लेकर धरती को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लेते व संदेश देते स्कूली के बच्चे।

फोटो : एसएनबी



महिला महाविद्यालय में छात्राओं पर्यावरण के प्रति दिया संदेश।

फोटो : एसएनबी

डॉ.केके पांडेय आदि थे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 'विश्व

पृथ्वी दिवस-2022, हमारे ग्रह में निवेश करें' विषय पर मनाया गया। निदेशक प्रो.नरेंद्र

मोहन ने कहा कि हमें पर्यावरण की रक्षा को सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह दिन भारतीय शर्करा उद्योग के संदर्भ में भी बहुत महत्वपूर्ण है, जो देश को दूसरा सबसे बड़ा कृषि आधारित उद्योग है। इस अवसर पर परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

सीएसए कृषि विवि में एनएसएस से संबद्ध विद्यार्थियों ने पोस्टर, बैनर एवं स्लोगन के माध्यम से पृथ्वी वनाओं का संदेश दिया। कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने कहा कि पृथ्वी में ही मानव जीवन सम्भव। कार्यक्रम का संचालन छात्रा श्रव्या सिंह ने किया।

महिला मंच में एनसीसी की छात्राओं ने पोस्टर प्रदर्शनी व फेस पेंटिंग के माध्यम से विश्व पृथ्वी दिवस 2022 की थीम 'इंवेस्ट इन आर प्लैनेट' को दर्शाया। यहां प्राचार्य व एनओ लेफ्टिनेंट ऋचा छिव्वड़ आदि थीं।

World Earth Day celebrated at National Sugar Institute

PNS ■ KANPUR

World Earth Day 2022 on the theme 'Invest in our Planet' was celebrated at NSI on Friday. The key speaker was Director Prof Narendra Mohan, who called upon for carrying out vigorous efforts and creating more awareness about the dire need to protect our environment.

He said on this special day one should emphasise on increasing environmental problems, including overpopulation, loss of biodiversity, depleting ozone layer which all resulted in rising pollution.

Prof Mohan said the day was important in the context of the Indian sugar industry also which was the second largest agro-based industry of the country. He said the indus-

try can help in reducing carbon and green house gas emissions by providing bio-energy in the form of electricity, ethanol and compressed biogas.

Anoop Kanaujia said distilleries were also working extensively on capturing carbon di-oxide from fermenters to use it as dry ice rather than releasing it to atmosphere. He said while ensuring zero liquid discharge from distilleries, for effective solid waste management, the ash from distillery incineration boilers was being converted and used as potash rich fertiliser. He said NSI had also taken up the task of replacing the existing process of sugar production with a more environment friendly process which would also lead to superior quality sugar. A massive tree

plantation drive was carried out on the institute premises.

DELEGATION WELCOMED: Director, National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan, Director, welcoming the delegation comprising Karnataka State officials, governing council members and scientists of S Nijlingapaa Sugar Institute, Belagavi, Karnataka on Friday assured delegates for all possible help from the institute in developing the sugar industry in Karnataka and the institute as well.

He said the BTech (Sugar Science and Technology) had also been added as one of entry qualification for carrying out post graduation in Sugar Technology from National Sugar Institute, Kanpur, and volun-

teered to further explore possibilities for conducting short term training programmes for technical personnel from Karnataka sugar factories in the times to come. The delegation later visited various laboratories, experimental sugar factory, farm and other facilities to observe the ongoing activities. The delegates expressed their keen interest to know more facilities developed for providing hands on training to the students and observed working of automatic flow and temperature control units in Instrumentation Engineering division. Ashok Garg, assistant professor of Sugar Technology and education incharge and other faculty members accompanied the delegates during visit to various divisions.